ओद्यौगिक संगठनों के माध्यम से कौशल प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए लॉन्च किया गया 'स्किल कनेक्ट' रोड शो

- ***माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने नई दिल्ली में रोड शो 'स्किल कनेक्ट' का लॉन्च किया।***
- ***एनएसडीसी–जीआईज़ैड–सीआईआई आपसी साझेदारी में करेंगे रोड शो का संचालन; एप्रेन्टिसशिप पर दिया जाएगा विशेष ध्यान***
- ***कौशल विकास में उद्योग जगत की भागीदारी को किया जाएगा प्रोत्साहित***

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2018: राष्ट्रीय कौशल विकास निगम ने कॉन्फेडरेशन ऑफ इण्डियन इंडस्ट्री एवं GIZ (Deutsche Gesellschaftfür Internationale Zusammenarbeit) के सहयोग से रोड शो 'स्किल कनेक्ट' का उद्घाटन किया है। यह रोड शो एप्रेन्टिसशिप पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कौशल विकास एजेंडा में उद्योग जगत की भागीदारी तथा जागरुकता बढ़ाने में मदद करेगा।

माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने नई दिल्ली में रोड शो 'स्किल कनेक्ट' का लॉन्च किया। यह रोड शो राज्य एवं केन्द्र सरकार की विभिन्न कैशल पहलों के बारे में जागरुकता बढ़ाएगा तथा एप्रेन्टिसशिप प्रोग्राम के तहत भारत में उद्योग जगत के लिए तैयार कुशल कार्यबल के निर्माण हेतू ओद्यौगिक संगठनों को प्रोत्साहित करेगा। स्किल कनेक्ट विश्वस्तरीय सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच की भूमिका निभाएगा। यह वर्तमान में क्लस्टर स्तर पर कुशल मैनपावर की उपलब्धता पर भी रोशनी डालेगा।

रोड शो के तहत भारत के 20 स्थानों में कार्यशालाओं एवं सेमिनारों की एक श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय/ क्षेत्रीय ओद्यौगिक संगठन, कंपनियां, राज्य एवं केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि तथा प्रशिक्षण साझेदार इसमें हिस्सा लेंगे।

स्किल कनेक्ट का उद्घाटन करते हुए श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, भारत सरकार ने कहा, *''विकास में तेज़ी लाने के लिए हमें उत्पादक एवं कुशल कार्यबल की आवश्यकता है। मेक इन इण्डिया जैसी राष्ट्रीय परियोजनाओं को सफल बनाने के लिए भारत के अंदर कुशल निर्माताओं की ज़रूरत है। जर्मनी में तीन स्तरों वाली शिक्षा प्रणाली है, जहां उद्योग जगत और सरकार एक दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं और 70 फीसदी योगदान उद्योग जगत का होता है। भारत में अधिकतम निवेश सरकारी खजाने से किया जाता है। मैनपावर की गुणवत्ता केवल निजी सेवाओं में नहीं बल्कि उद्योग के लिए भी ज़रूरी है। हमारी मानसिकता है कि हम लागत बचाने के लिए कार्यबल की दक्षता पर समझौता कर लेते हैं, यह बहुत बड़ी समस्या है, जिसका समाधान करना बहुत ज़रूरी है। हमें देश के युवाओं में निवेश करना होगा, जो हमारे सपनों के नव भारत का निर्माण कर सकते हैं।''*

श्री प्रधान ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, *''भारत के पास अपार प्राकृतिक संसाधन और ज्ञान का विशाल भंडार है। देश के बाज़ार में अपार संभावनाएं हैं। लेकिन जब तक हम गुणवत्तापूर्ण कार्यबल का निर्माण नहीं करते, हम इन सभी अवसरों का लाभ नहीं उठा सकते। हमें इस दृष्टि से मांग और आपूर्ति के बीच के अंतराल को दूर करने के लिए अपने कार्यबल को सक्षम बनाना होगा। एप्रेन्टिसशिप इस समस्या के समाधान के लिए सबसे स्थायी मॉडल है जो हमारे युवाओं को रोजग़ार योग्य बना सकता है। मैं उद्योग जगत से आग्रह करता हूँ कि इस दिशा में कदम बढ़ाएं तथा देश के आर्थिक विकास में सकारात्मक योगदान दें।''*

इस मौके पर श्री चन्द्रजीत बैनर्जी, डायरेक्टर जनरल, सीआईआई ने कहा, *''एप्रेन्टिसशिप अधिनियम में संशोधन से लेकर उद्योग जगत को एप्रेन्टिसशिप के लिए प्रोत्साहित करने तक सीआईआई इस श्रृंखला से जुड़े हर पहलू को अपना समर्थन प्रदान करती रही है। सीआईआई में हम समझते हैं कि उद्योग जगत, विशेष रूप से एमएसएमई को एप्रेन्टिसशिप प्रोग्राम के साथ जोड़ना बहुत ज़रूरी है और इसीलिए हम मंत्रालय को यथासंभव हर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।''*

कार्यक्रम निदेशक (निजी क्षेत्र विकास), जीआईज़ैड इण्डिया, श्री नूर नक्शबंदी ने रोडशो के महत्व पर रोशनी डालते हुए कहा कि यह रोड शो उद्योग जगत से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को आकर्षित करेगा तथा को–ऑपरेटिव व्यवसायिक शिक्षा प्रशिक्षण (वीईटी) से जुड़े मुद्दे को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। व्यवसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण पर इंडो–जर्मन प्रोग्राम (IGVET) ओद्यौगिक समुदायों से मिले अनुभव के आधार पर को–ऑपरेटिव वीईटी मॉडल के विकास पर काम कर रहा है। इस रोड शो के माध्यम से IGVET को–ऑपरेटिव वीईटी के सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने रोड शो के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह शो बड़ी संख्या में ओद्यौगिक संगठनों एवं कंपनियों को आकर्षित करेगा तथा युवाओं को बताएगा कि को–ऑपरेटिव कार्यस्थल आधारित वीईटी एक महत्वपूर्ण मंच है जिसके माध्यम से वे पेशेवर जीवन की शुरूआत कर सकते हैं और अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

***

साझेदारों के बारे में

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के बारे में

एनएसडीसी कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक–निजी भागीदारी है। एनएसडीसी बड़े, गुणवत्तापूर्ण एवं लाभ हेतु व्यवसायिक संस्थानों के निर्माण को प्रोत्साहित कर कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। संगठन बड़े पैमाने के व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के निर्माण के लिए वित्तपोषण भी प्रदान करता है। यह प्रत्यक्ष रूप से अथवा साझेदारों के सहयोग से गुणवत्ता आश्वासन, सूचना प्रणाली तथा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर ध्यान केन्द्रित करता है। हाल ही में मंत्रालय ने को–ऑपरेटिव प्रशिक्षण में उद्योग जगत की भागीदारी बढ़ाने के लिए एप्रेन्टिसशिप (इसमें नेशनल एप्रेन्टिसशिप प्रोमोशन योजना शामिल है) को अनिवार्य कर दिया है। एनएसडीसी सेक्टर कौशल परिषदों एवं सरकार की कौशल विकास योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाओं में सक्रिय है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ इण्डियन इंडस्ट्री (सीआईआई के बारे में)

सीआईआई लम्बे समय से भारत सरकार की कौशल पहलों को समर्थन एवं सहयोग प्रदान कर रहा है। इसी के मद्देनज़र हाल ही में इसने एनएपीएस में ओद्यौगिक भागीदारी को समर्थन प्रदान किया है। उद्योग जगत के सदस्यों के साथ जुड़ने के लिए सीआईआई जर्मन ड्यूल वीईटी सिस्टम से प्रेरित होकर सदस्य संगठनों और कंपनियों के नेटवर्क के साथ जुड़ रहा है और उन्हें एनएपीएस में शामिल होने की सलाह दे रहा है। इसी के मद्देनज़र उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक उचित प्रणाली का निर्माण किया गया है, सूचना प्रसार हेतू एक समर्पित हेल्पलाईन की शुरूआत की गई है; इन सदस्यों के लिए अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि वे कौशल भारत मिशन, विशेष रूप से एनएपीएस में योगदान दे सकें।

Deutsche Gesellschaftfür Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

भारत सरकार की कौशल विकास पहल के लिए प्रतिबद्धता जारी रखते हुए *Deutsche Gesellschaftfür Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH* ने व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण के लिए इंडो–जर्मन प्रोग्राम *(IGVET)* के संचालन हेतू जर्मन फेडरल मिनिस्ट्री फॉर इकोनोमिक को–ऑपरेशन एवं डेवलपमेन्ट *(BMZ)* की ओर से 2016 में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। *IGVET* का मुख्य उद्देश्य यह है कि 'सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के सभी प्रतिभागी भारत में को–ऑपरेटिव वीईटी की स्थिति में सुधार लाने के लिए एक साथ मिलकर काम करें और इस दृष्टि से अनुकूल माहौल बनाया जाए।'' यह परियोजना भारत में को–ऑपरेटिव वीईटी को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण को है, जो जर्मन ड्यूल वीईटी मॉडल से प्रेरित है। परियोजना में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया गया है ताकि ओद्यौगिक चैंबर/ एसोसिएशन वीईटी सिस्टम में सक्रिय एवं ज़िम्मेदार साझेदार बन जाएं।

For more information on Skill Development, please follow the links below:

Facebook: www.facebook.com/SkillIndiaOfficial; Twitter: @MSDESkillIndia
Facebook: www.facebook.com/NSDCIndiaOfficial;Twitter: @NSDCIndia
Facebook:www.facebook.com/IndiaSkills/; Twitter: @WorldSkillsInd
Website: www.nsdcindia.org

Press Contact:

Ruchika Tandon | Head – Communication & Stakeholder Interaction | T: 98102 02457 | E: Ruchika.tandon@nsdcindia.org